

प्रदेश के पहले ड्रोन स्कूल का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

10 मार्च, 2022 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिविराज सहि चौहान ने ग्वालियर के एमआईटीएस मैदान में रमोट के ज़रिये ड्रोन उड़ाकर प्रदेश के पहले ड्रोन स्कूल का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि गत 11 दिसंबर को प्रदेश में पाँच ड्रोन स्कूल खोलने की घोषणा की गई थी, जिनमें से पहले स्कूल का ग्वालियर में शुभारंभ किया गया है।
- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सधिया ने कहा कि इस ड्रोन स्कूल में हर माह 40 से 50 बच्चों को ड्रोन तकनीक में प्रशिक्षित किया जाएगा। ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण प्राप्त युवा हर माह औसतन 30 हजार रुपए की आय अर्जित कर पाएंगे।
- उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के पाँचों ड्रोन स्कूल शुरू होने पर साल भर में लगभग ढाई हजार (प्रति स्कूल 500) ड्रोन पायलट तैयार होंगे।
- मध्य प्रदेश वर्तमान में ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल में देश भर के अग्रणी राज्यों में से एक है।
- केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सहि तोमर ने कहा कि देश में कृषि के क्षेत्र में ड्रोन तकनीक को विशेष बढ़ावा दिया जा रहा है। नकट भविष्य में इस तकनीक के इस्तेमाल से क्रांतिकारी प्रगति सामने आएगी।
- उन्होंने कहा कि भारत सरकार के कृषि विभाग ने ड्रोन नीति जारी कर दी है, जिसमें 12वीं पास बच्चे 4 लाख रुपए तक का अनुदान प्राप्त कर ड्रोन पायलट के रूप में अच्छा रोजगार पा सकते हैं।
- इसी तरह यदि कृषि सेनातक ड्रोन तकनीक की कोई इकाई स्थापित करना चाहते हैं तो वह 5 लाख रुपए तक का अनुदान पा सकते हैं। इसके अलावा संस्थान भी कृषि ड्रोन नीति में 100 प्रतिशत तक अनुदान प्राप्त कर सकते हैं।
- तोमर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मकान का मालिकाना हक दिलाने में ड्रोन तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी तरह टडिडी दल के आक्रमण को असफल करने में ड्रोन तकनीक क्रांतिकारी साबित हुई है।